

मैथिली आ हिन्दी/ बांग्ला/ भोजपुरी/ मगही/ संथाली

बिहार लोक सेवा आयोग (बी.पी.एस.सी.) केर सिविल सेवा परीक्षाक मैथिली (ऐच्छिक) विषय लेल

१

मैथिली आ हिन्दी

मैथिली	**हिन्दी**
हमरा सभक	हमारा
हमर	मेरा
ओकर	उसका
ई	यह
ओ	वह
ई सब	ये
ओ सब	वे
अछि	है
छी	हूँ
देखनाइ	देखना
जीनाइ	जीना
गेनाइ	जाना
पीनाइ	पीना
छूनाइ	छूना
सुतनाइ	सोना
पढ़नाइ	पढ़ना
जाउ	जाइए
जो	जा
राम गेल	राम गया
सीता गेलि	सीता गई
आननाइ	लाना
बजनाइ	बोलना
बिसरनाइ	भूलना
छह	हो
लिखैत अछि	लिखता है



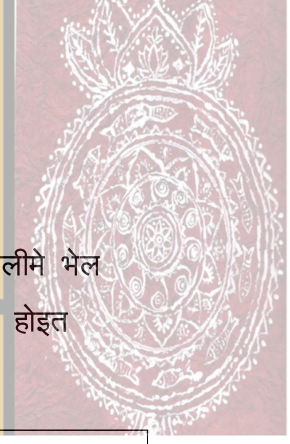

लिखि रहल अछि	लिख रहा है
जायत	जाएगा
अयताह	आएंगे
राम जाइत अछि	राम जाता है
सीता जाइत अछि	सीता जाती है
सीता जाइत छथि	सीता जाती हैं
राम खेनाइ खेलक	राम ने खाना खाया
राम सोहारी खेलक	राम ने रोटी खाई
तोँ ई काज केने छह	तूने यह काम किया है
राम फिल्म देखने छल	राम ने फिल्म देखी थी
राम फिल्म देखने छला	राम जी (आदर) ने फिल्म देखी थी
राम पाठ समाप्त कऽ लेने होयत	राम ने पाठ समाप्त कर लिया होगा
राम पाठ समाप्त कऽ लेने हेता	राम जी (आदर) ने पाठ समाप्त कर लिया होगा
राम सीताकेँ देखलक	राम ने सीता को देखा
राम सीताकेँ देखलनि	राम जी (आदर) ने सीता को देखा

ऊपर अहाँकेँ स्पष्ट भऽ गेल होयत जे हिन्दीमे कर्त्ता लेल ‘‘ने’’ प्रयुक्त भेल मुदा मैथिलीमे ई रिक्त रहल। कर्म लेल हिन्दीमे ‘‘को’’ आ मैथिलीमे ‘‘केँ’’ प्रयुक्त भेल।

हिन्दी	सेब	एक सेब	दू सेब	दो सेबों में
मैथिली	सेब	एकटा सेब	दूटा सेब	दूटा सेबमे
हिन्दी	सिपाही	एक सिपाही	दो सिपाही	दो सिपाहियों ने
मैथिली	सिपाही	एकटा सिपाही	दूटा सिपाही	दूटा सिपाही
हिन्दी	साधु	एक साधु	दो साधु	दो साधुओं को
मैथिली	साधु	एकटा साधु	दूटा साधु	दुनू साधुकेँ
हिन्दी	चमगादड़	एक चमगादड़	दो चमगादड़	दोनों चमगादड़ों पर
मैथिली	बादुर	एकटा बादुर	दूटा बादुर	दुनू बादुर पर
हिन्दी	चिड़िया	एक चिड़िया	दो चिड़िया	दो चिड़ियाओं
मैथिली	चिड़ै	एकटा चिड़ै	दूटा चिड़ै	दुनू चिड़ै

एतय स्पष्ट भऽ गेल जे बहुवचनमे हिन्दीमे शब्दक रूप परिवर्तित भेल मुदा मैथिलीमे से नहि भेल। एहिसँ पहिने क्रियामे किछु ठाम स्त्रीलिङमे हिन्दी सन परिवर्तन मैथिलीमे सेहो भेल (गेलि) मुदा बेसी ठाम (जाइत



अछि, छथि) परिवर्तन नहि भेल। आदरसूचक वाक्यमे हिन्दीमे क्रियामे परिवर्तन नहि भेल मुदा मैथिलीमे भेल (देखलक/ देखलनि)। स्त्रीलिङ्क बहुवचनमे हिन्दीमे रूप परिवर्तित होइताछि मुदा मैथिलीमे से नहि होइत अछि।

कारक/ विभक्ति (मैथिली)	कारक/ विभक्ति (हिन्दी)
राम	राम ने
रामकैँ	राम को
गेन्दसँ, लाठीसँ, लाठी द्वारा	गेन्द से, लाठी द्वारा
रामकैँ, रामकलेल, राम हेतु	राम को, राम के लिये, राम हेतु
गाछसँ (विलगाव)	पेड़ से
रामक घर, रामक पोथी, सीताक राम	राम का घर, राम की किताब, सीता के राम
घर पर, खोतामे	घर पर, घोसला में







मैथिली आ बांग्ला

मैथिली	**बांग्ला**
अपने	आपनि
नै (नहि)	नय
छी	आछि/ छि
काज	काज
इनार	इनार
करै (करैत) छी	कोरेछि
गेल छलौं (छलहुँ)	गियेछिलाम
बाजू नै	बोलबेन ना
रान्हल	रान्ना
की	कि
संगे	शंगे
चाह	चा
दू टा	दुटो
ई सब	एशब
सिंघाड़ा	शिङाड़ा
कोन	कोन
हाथ	हात
अखन	ऐखोन
पाँचटा	पाँचटा
अच्छा	आच्छा
छथि	आछेन
छी	आछि
हुअय	आछो
करू	कोरून
चाही	चाइ
खोलै छी	खुलछि
कोनो	कोनो







बांग्ला ‘‘अ’’ ओड़िया सन ‘‘ओ’’ उच्चरित होइत अछि।

मैथिली सन इ/ ई आ उ/ऊ केर ह्रस्व-दीर्घ उच्चारणमे भेद नहि अछि आ ऐ मैथिलीमे अ+इ आ बांग्लामे ओ+ई उच्चरित होइत अछि। औ बांग्लामे ओ+उ उच्चरित होइत अछि।

‘‘न’’ आ ‘‘ण’’ केर उच्चारण बांग्लामे एके रङ होइत अछि। मैथिलीमे ‘‘ण’’ केर उच्चारण कखनो काल ‘‘ड़’’ होइत अछि (गणेश=गड़ेस)।

व/ ब एके रङ ‘‘ब’’ (मैथिली जकाँ) सन उच्चरित होइत अछि।

आश्विन मैथिलीमे लिखलो आ बाजलो ‘‘आसिन’’ जाइत अछि मुदा बांग्लामे लिखल आश्विन आ बाजल आश्शिन जाइत अछि।

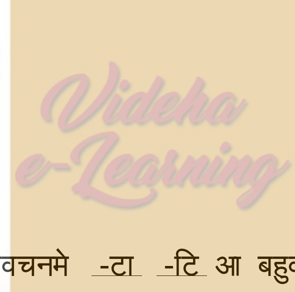
तहिना :-

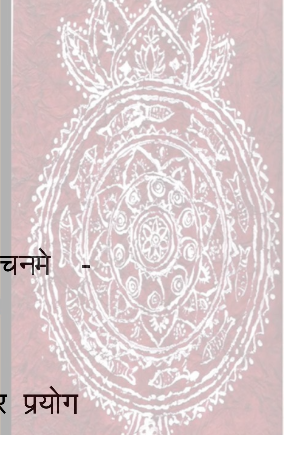
बांग्लामे एना लिखल जाइत अछि	**बांग्लामे एना बाजल जाइत अछि**
अन्वेषण	अन्नेशन
श्वास	शाश
उच्छ्वास	उच्छास
अक्षर	अक्खोर
पद्म	पद्दो
विस्मय	बिश्शय
उज्जवल	उज्जल

फेर बांग्लामे एना लिखल आ फराकबाजल सेहो जाइत अछि:-

बांग्लामे एना लिखल जाइत अछि	**बांग्लामे एना बाजल जाइत अछि**
संस्हा	शंस्था
स्हान	स्थान
सुस्ह्	शुस्थो
असुस्ह्	अशुस्थो

बांग्लामे कोनो शब्द पर विशेष बल देबाकलेल -तो जोड़ल जाइत अछि।



बांग्लामे पूर्व निर्दिष्ट वस्तु लेल प्रयुक्त वस्तुवाचक संज्ञा/ सर्वनामक एकवचनमे -टा -टि आ बहुवचनमे -गुलो, -गुलि जोड़ल जाइत अछि।

बांग्लामे संख्यावाचक शब्दक संग -टा, -टि, -टे, -टो जोड़ल जाइत अछि मुदा -गुलो, -गुलि केर प्रयोग नहि होइत अछि।

बांग्लामे ‘‘संग’’ आ ‘‘लेल’’ सन अव्यय लेल सम्बन्ध विभक्तिक प्रयोग होइत अछि जेना:-

चायेर शंगे- चाहक संग

आमार शंगे- हमरा संग

आमार जोन्ने- हमरा लेल

बांग्लामे सर्वनामक सम्बन्धवाचक रूपबनेबा लेल सर्वनामक तिर्यक रूपमे -देर जोड़ल जाइत अछि।

आमा-आमादेर-हमर

आपना-आपनादेर-अहाँक

तोमा-तोमादेर- तोहर

एना-एनादेर-हिनकर

वर्त्तमान काल आज्ञार्थकक बाद -ना प्रयोग जोर देबा लेल कयल जाइत अछि।

देखू ने- देखुन ना

कोनो शब्द पर बल देबा लेल मैथिलीमे द्वित्व+एकार केर प्रयोग होइत अछि जेना- कम्मे, एक्के। बांग्लामे ई प्रभाव -इ युक्त भेलासँ अबैत अछि जेना-कमइ।

मैथिलीमे ‘‘अछि’’ केर नकारात्मक ‘‘नहि अछि’’ प्रयुक्त होइत अछि मुदा बांग्लामे ‘‘आछे’’ केर नकारात्मक लेल मात्र ‘‘नेइ’’ प्रयुक्त होइत अछि।

अपूर्णकालिक क्रियारूप मे जँ धातु स्वरांत होइत अछि तँ धातुक तिर्यक रूपक संग कालवाची प्रत्यय -च्छ जोड़ल जाइत अछि। जँ धातु व्यंजनान्त होइत अछि तँ धातुक तिर्यक रूपमे -छ जोड़ल जाइत अछि। कालवाचक प्रत्यय लगेलाक बाद पुरुषवाचक प्रत्यय जोड़ल जाइत अछि।






मैथिली	बांग्ला
हम अबै छी	आमि फिरिछि
हम जाइ छी	आमि जाच्छि
ओ सब आबै छथि	उनि फिरछेन
अहाँ जाइ छी	आपनि जाच्छेन
तूँ आबै छैँ	तुमि फिरछो
तूँ जाइ छैँ	तुमि जाच्छो
ओ सब अबैत छथि	तिनि फिरछेन
ओ सब जाइ छथि	तिनि जाच्छेन
ओ आबै छथि	शे फिरछे
ओ जाइ छथि	शे जाच्छे
अहाँ अबैत छी	आपनि फिरछेन
अहाँ करैत छी	आपनि कोरछेन

बांग्लामे एक प्रकारक असमापिका क्रिया होइत अछि- क्रियाक तिर्यक रूपक। बादमे -ते जोड़लासँ ई बनाओल जाइत अछि।

करय मे- कोरते (कोर+ते)

जाइ मे- जेते (जा+ते)

आबय मे- आशते (आश+ते)

मैथिली सन बांग्लामे सेहो दू शब्द वा वाक्यकेँ जोड़बा लेल ओ, आर, एबं (मैथिलीमे एवं/ एवम्) केर प्रयोग होइत अछि। बांग्लामे "ओ" केर प्रयोग "संग" केर अर्थमे सेहो होइत अछि।

हमहूँ- आमि ओ

धातुक पाछाँ पुरुषवाचक प्रत्यय लगा कय क्रियाक सामान्य वर्त्तमान कालक रूप बनि जाइत अछि।

कर+इ= कोरि

कर+एन= करेन

कर+ओ= करो



कर+इश= कोरिश

कर+ए= करे।



३

मैथिली आ भोजपुरी

भोजपुरीमे

केर बदला	ई वर्ण प्रयुक्त होइत अछि
ण	न
ल	र
ष	ख
श	स

भोजपुरीमे सहचर तीन प्रकारक अछि, विपरीतार्थक, समानार्थक, आनुप्रासिक आ विशेषार्थ बोधक सहचर।

विपरीतार्थक सहचर

शब्द	विपरीतार्थक सहचर
हकासल	पियासल
लरम	गरम
रकम	पताई
साँप	गोजर

समानार्थक सहचर

शब्द	समानार्थक सहचर
लकड़ी	काठी
कनिया	बहरिया
पुरखा	पुरनिया
किन	बेसाह






बिआ	बाल
नेग	चार

आनुप्रासिक सहचर

शब्द	**आनुप्रासिक सहचर**
अखोर	बखोर
हरवा	हथियार
बोहनी	बट्टा
पर	पाहुन
चासा	बासा
चिरई	चुरुंग

विशेषार्थ बोधक सहचर

शब्द	**विशेषार्थ बोधक सहचर**
सेवा	खरचा
अह	जह
तगड़	बगड़
अकट	बहेर
आउँज	गाउँज

भोजपुरीक किछु उपसर्ग

नि-निदरदी

कु- कुअन्न



अध- अधमरु

भोजपुरीक किछु प्रत्यय

डाका- अइत- डकइत

हार- चूड़ी- चूड़ीहार

लकड़ी- लकड़ीहार

हर-मुस- मुसहर

बाप- बहर

मामा- ममहर

भोजपुरीमे संज्ञासँ विशेषण

कातिक- कतिका

आइन- धुँआ- धुआँइन

भोजपुरीमे विशेषणसँ संज्ञा

पियर- पिअरी

अई- थेथर- थेथरई

अवती- बूढ़- बुढ़उती

भोजपुरीमे संज्ञासँ संज्ञा

अई- लरिकाई

भोजपुरीमे विशेषणसँ विशेषण

लाल- ललछहूँ

औठा- पहिल- पहिलौठा

स्त्री प्रत्यय

आइन- मिसिर- मिसराइन



आनी- देवर- देवरानी

भोजपुरीमे वचन

लइका (एकवचन)- लइकन (बहुवचन)

हाथी (एकवचन)- हाथिन/ हाथियन (बहुवचन)

मैथिली	**भोजपुरी**
छथि	तारी
खाइत अछि	खाता
खुजैत अछि	खुलता
नहि खेलाइत छथि	खेलत नइखन
नहि अछि	नइखे
नहि जयताह	ना जइहन
नहि खयताह	ना खइहन
जाइ छी	जातार
पढ़ैत छी	पढ़ तानी
खाइ छथि	खा तारन
अहाँ	रउआ

भोजपुरीक सेहो विभिन्न रूप अछि, जेना क्षेत्रानुसार बा, बाटे, बीया, बड़वेँ, बटे/ बानी बाजल जाइत अछि।



४

मैथिली आ मगही

भुव्अनेश्वर शर्माक मगही शब्दकोषमे किछु वर्ण आ संयुक्ताक्षर जेना ण, श, ष, ऋ, लृ, क्ष, त्र, ज्ञ हटा देल गेल अछि। मैथिली सन मगहीमे सेहो ‘‘व’’ केर उच्चारण ‘‘ब’’ आ कतेक ठाम ‘‘य’’ केर उच्चारण ‘‘ज’’ होइत अछि।

मगही सेहो अपन उत्पत्ति ८४ सिद्ध आ नाथ सम्प्रदायक नाथ साहित्यसँ मानैत अछि। मगही क्रियामे एकटा आकारक मात्रा कम होइत अछि जेना:-

मैथिली	**मगही**
एनाइ	अनई
गेनाइ	गनई
धोनाइ	धोनई

मगही लोकोक्ति आ कहावत:

अदरा गेल, तीन गेलन, सन, साठी, कपास- स्त्रदरा नक्षत्रमे वर्षा नहि भेने सन, साठी (धान) आ कपासक खेती बर्बाद भऽ जाइत अछि।

ओछा के प्रीत बालू के भीत- ओछ व्यक्तिसँ दोस्तियारी क्षिक होइत अछि।

ब्लातदेवल- खोराकी चलायल

सिहरी फटल- अकश-तिकश खतम भेल।

हहास कयल- दोसरकेँ आगू बढ़ैत देखि कऽ जरल।

तुला राशि के भेल- बड्ड तमसायल

कन्या राशि के भेल- काजसँ बेकार भेल।

ओरहन देवल- शिकाइत कयल।

पीढ़ा देवल- आदर देल।






खोपसन देवल- उलहन देल।

डॉ रामनरेश मिश्र ‘‘हंस’’ मगधक भाषा मागधीक विकसित रूपकेँ मगही कहलनि अछि। मागधी प्राकृतसँ असमिया, बांग्ला, ओड़िया, मैथिली, भोजपुरी आदि भाषा सेहो बहार भेल अछि।

मगहीमे ‘‘र’’ लेल ‘‘ल’’ ‘‘ड़’’, ‘‘ल’’ लेल ‘‘र’’ ‘‘ड़’’ केर प्रयोग होइत अछि। मगहीमे सेहो निर- लगा कऽ निरइठ बनैत अछि (अइठ/ निरइठ)।

मगही लोकगाथा

आल्हा, सोरठी वृजभार, लोरकाइन, रेसमा-चुहरमल, सारंगा-सदाबृज, छतरी-घुघुलिया, कुँवर विजयी, राजा भरथरी, गोपीचन्द, सोभां नायक, सती बिहुला, नेटुआ दयाल सिंह, राजा ढोलन सिंह, मान गुजरिया, मामा-भगिना, विक्रम, कर्दब-लीला, बनजारा, हिरनी-बिरनी, सहलेस, नूनाचार, राजा हरिचन, बाबा चिन्तामन, बकतौर, बिहुला-विसहरी, बाबा लखन्दर बिहुला-विषधर।

मगही लोकनाट्य, नाट्य-गीत आ लोक-नृत्य

-कीर्त्तन, जातरा, करमा भइया दूज, जीतिया (नायिका रुसि कऽ नैहर चलि गेल, धनरोपनीक बाद किसान-मजदूर ई नाट्य करैत छथि।)

-फागू, चैता, सावनी, बारहमासा, रोपनी।

-दूधवंशी (दुसाध), साफी (धोबी), च्हन्द्रवंशी (कहार), कोइरीक नाट्य गीत।

-जनी- जातिक- डोमकच, बीछामार, चुलहारिन, सीता-मीता, गेदुरी।

-ओझा-डाइन।

-सामा-चकेवा, बगुला-बगुली, जाट-जाटिन, सास-पुतोह,

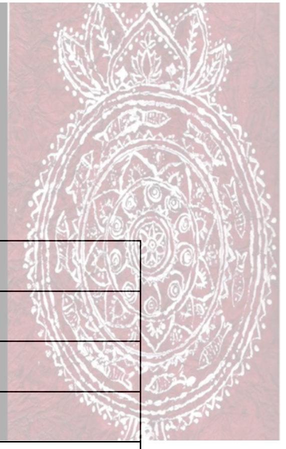
-सगबेचनी, मछली बेचनी, जीराबुन, दही बेचनी।

-नाच, नेटुआ-कसबिन, कठपुतली।

आब किछु मैथिली आ तकर मगही रूपक चर्चा कयल जा रहल अछि।

मैथिली	**मगही**
खेलेलौं (खेलेलहुँ)	खेलली



हएत	होत
अछि	हे
छथि	हथ/ हथुन
छी	ही
जायत	जइतो
एता	अतथुन
भेटत	मिलतो

मगहीक रूप

पटनाक आसपास मारलुक (मारबौ) आदिक प्रयोग होइत अछि जे कने दक्षिण गेला पर हथिन/ छथिन आदिमे परिवर्तित भऽ जाइत अछि।



५

मैथिली आ संथाली

मैथिली	**संथाली**
पिता	बा
बाबी (बा)	नुनुगो (बुडीगो)
बाबा	गोड़म्बा
नमस्ते	जोहारगी
भेल	हुयेना
उसरि कऽ (जल्दी)	उसारा
अछि	काना/ गिया
छी	काना
आर	आर
सँ	ते
एखन लगाइत	एहोबोक् लगीत
देखाउ	उदुगमे
विलम्ब	बिलम्ब
दिऔ	मे/ में
करू	मा/ कामीयमे
नहि	आलोम
बनू	बिनाक्आ
बुरबक (बोका)	बोका
आउ	हजुक्मे
ध्यान	ध्यान
दाँत सभ	डाटा
लगा लिअ	लगाव ताम
सत्त	सरी
खबरि	खोबोर
हमरा	इञ
खराप	बड़ीच्
मोन	मोने




लगा कऽ	लगाव
काज	कातेक
कँ	दो
घास	घास
आनू	अगुकुम
अहाँ सँ	आमसांव
जरूर	जरूड़
थोर	थोड़ा
पंखा	पंखा
बिजली	बिजली
लैम्प	लैम्प
कागत-पेंसिल	कागज-पेंसिल
मना	मना
मामिला	मामला
समय	समय
धन	धन
मेहनति	मेहनत
अहाँ	आम
कुकुड़ (पु.)	सीता
कुकुड़ (स्त्री.)	सीता इंगा
पिल्ला (कुकुड़क बच्चा)	सीता होपोन
बाछी	बछी
बेंग	रोटे
पनही (जुत्ता)	पनाही
करैल	कारला
घर (दलान)	दुलान
मचान	मचान
कड़छु	कड़छु
पटिया	पटया
चालनि	चलनी
सलाइ-काठी	सलाई कठी
सूत	सुतम
थारी-बाटी	थरी-बटी






लोटा	लोटा
बोरा	बोरा
गहूम	गुहुम
दही	दाही
थुथुन	थुथना
गाहकि (गहकी)	गहकी
अखबार	खोबोर कागज
हरियर	हरयड़
खर्चा	खर्चा
साफ करब	साफा
बीछब	बाछाव
बनायब	बिनाव
नव करब	नावा
नेहोरा करब	नेहोर
जिरायब (विश्राम करब)	जिराव
थरथरी	थारथाराक्
आछी करब (छीकब)	अछीम
साटब	साटाव